

दिनांक 3 अक्तूबर, 1985

सं. ओ.वि./एफ.डी/67-85/41269.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि 1. सचिव, हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड, चण्डीगढ़, 2. चीफ इंजिनियर थर्मल पलान्ट, फरीदाबाद, के श्रमिकों तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं, अथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला/मामले हैं/हैं न्यायनिर्णय हेतु एवं पंचाट छः मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री ज्वाला प्रसाद बोआयलर एटैन्डेंट वरिष्ठता के आधार पर पक्का होने और बोआयलर अपरेटर के पद पर लगने के हकदार हैं। यदि हाँ तो किस विवरण में।

सं. ओ.वि./एफ.डी/67-85/41277.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि 1. सचिव, हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड, चण्डीगढ़, 2. चीफ इंजिनियर थर्मल पलान्ट, फरीदाबाद, के श्रमिकों तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं, अथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला/मामले हैं/हैं न्यायनिर्णय हेतु एवं पंचाट छः मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री मुनिष लाल बोआयलर एटैन्डेंट वरिष्ठता के आधार पर पक्का होने और बोआयलर अपरेटर के पद पर लगने के हकदार हैं। यदि हाँ, तो किस विवरण में।

दिनांक 24 अक्तूबर, 1985

सं ओ.वि./पानी/83-85/43564.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि सचिव, हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड, चण्डीगढ़, (2) मुख्य अभियन्ता बर्कशाप सर्कल एच. एस. ई. बी., धूलकोट, अम्बाला, (3) कार्यकारी अभियन्ता, स्टील स्ट्रक्चर बर्कशाप हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड, आसन पार्किंग, के श्रमिक तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं/हैं, न्यायनिर्णय एवं पंचाट छः मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

1, क्या जो श्रमिक बर्कशाप में कार्य करते हैं वे वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति लेने के हकदार हैं ? यदि हाँ तो किस विवरण से ?

2, क्या अनुबन्ध-ए. में दर्शाये गये श्रमिक स्थाई होने के पात्र बनते हैं ? यदि हाँ तो किस विवरण से ?

अनुबन्ध-ए

1. श्री केसर सिंह चांदला

2. श्री राम गोपाल

3. श्री ब्रज भूषण
4. श्री अर्जुन सिंह
5. श्री निरंजन दास
6. श्री ज्ञान चन्द
7. श्री सियो राम
8. श्री लाल सिंह
9. श्री जय नारायण
10. श्री गीता राम
11. श्री नराता राम
12. श्री धर्मपाल
13. श्री चत्तर जीत सिंह

कुलवन्त सिंह,

वित्तायुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,  
श्रम तथा रोजगार विभाग।